दुखड़े निवारण लई ते कष्ट मिटावन लई

दुखड़े निवारण लई ते कष्ट मिटावन लई,
इस जग ते लेके सतगुरु अवतार आ गाये,
बाबा लाल आ गये
दुखड़े निवारण लई ते कष्ट मिटावन लई,

घोर अँधेरा पापा दा छाया सी देके चानन नूर दूर हटाया सी,
प्रेम दा पाठ पडावन सरकार आ गाये बावा लाल आ गये,
दुखड़े निवारण लई ते कष्ट मिटावन लई,

माघ महीना सोमवार शुभ आया सी ,
शुल्क पकक्ष दिन दूज दा सोहना आया सी,
समेत चोदाहा सो बारे सी जद करतार आ गये बावा लाल आ गये,
दुखड़े निवारण लई ते कष्ट मिटावन लई,

बीच तासुर दे चन दूज दा चड़ेया सी,
पापी कम्भे धर्मियाँ नु जा चड़ेया सी,
धार के रूप इलाही पालनहार आ गये बाबा लाल आ गये,
दुखड़े निवारण लई ते कष्ट मिटावन लई,

भोला मल पिता नु मिलान वदाहियाँ ने,
लोरिया माता कृष्णा ने भी गाइया ने,
वीर चदन नु तरन तारण हार आ गये,
बावा लाल आ गये,
दुखड़े निवारण लई ते कष्ट मिटावन लई,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12045/title/dukhde-nivaran-lai-te-kasht-mitavan-lai-baba-laa-aa-gaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |